LATEST NEWS
+91-9878-55-2070
आज तक आमने सामने
26 November - 2 December-2024
RNI No-Punhin2013/54688 HINDI ,PUNJABI & ENGLISH
पढ़े India हर खबर सच के साथ
Year 2024 /Editor-Sk.Saxena /Email-aajtakaamnesaamne.in@gmail.con/ MOB-8146107666

लॉरेंस के गुर्गे ने करनाल में दिए थे बम

हिसार, चंडीगढ़ के सेक्टर–26 में दो क्लबों पर बम फेंकने के मामले में शुक्रवार की शाम को पीरांवाली गांव में एनकाउंटर के बाद काबू किए गए लॉरेंस बिश्नोई गैंग के दो सदस्यों ने अनौपचारिक पूछताछ के दौरान खुलासा किया कि करनाल में जिस युवक ने उनको बम दिए थे, वह उत्तर प्रदेश का रहने वाला है। उत्तर प्रदेश के युवक के बारे में दोनों घायलों ने कुछ जानकारी साझा की है, लेकिन ऐहतियातन यह जानकारी मीडिया से साझा नहीं की गई है। अब पुलिस की कई टीमें उत्तर प्रदेश के उसी युवक की तलाश में जुटी है। हिसार एसटीएफ टीम ने बताया कि दोनों घायल आरोपियों को अभी डॉक्टरों ने डिस्चार्ज नहीं किया है। डिस्चार्ज करने के बाद सबसे पहले चंडीगढ़ पुलिस उनको गिरफ्तार करेगी। इसके बाद ही नियमानुसार पूछताछ की जाएगी और उनकी डिस्क्लोजर स्टेटमेंट रिकॉर्ड की जाएगी। चंडीगढ़ पुलिस की पूछताछ की समाप्ति के बाद हिसार सदर थाना पुलिस दोनों को गिरफ्तार करेगी।

'पंजाब के प्रवेश मार्गों पर शहीदों को समर्पित होंगे गेटवे'

मिलिट्री लिटरेचर फेस्टिवल हुआ समाप्त

चंडीगढ़, पंजाब के कई प्रवेश बिंदुओं पर सैनिकों को समर्पित गेटवे बनाए जा रहे हैं। पंजाब के पर्यटन और सांस्कृतिक मामलों के मंत्री तरुणप्रीत सिंह सौंद ने रविवार को यहां आठवें मिलिट्री लिटरेचर फेस्टिवल के समापन सत्र को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि हरियाणा की तरफ से पंजाब के प्रवेश मार्गों पर एक किलोमीटर लंबे गेटवे विकसित कर पंजाब के शहीद व वीरता पुरस्कारों से सम्मानित सैनिकों की प्रतिमाएं स्थापित की जाएंगी। सैनिकों के योगदान की जानकारी देने वाले शिलालेख भी लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि यह सैनिकों के लिए एक सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इससे राज्य के युवाओं को सेना के प्रति प्रोत्साहित किया जा सकेगा और देश की रक्षा में पंजाब के सैनिकों की भागीदारी को भी लोगों तक पहुंचाया जा सकेगा।

सौंद ने कहा कि भारतीय सेना की मुस्तैदी के कारण देश का हर नागरिक अपने घर में बेफिक्र होकर सोता है। सेना के जवानों के बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि देश की आजादी में पंजाबियों का योगदान भी बहुत अधिक है। देश पर संकट आने पर पंजाबियों ने हमेशा आगे बढ़ कर मोर्चा संभाला है। मिलिट्री लिटरेचर फेस्टिवल की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन अतीत, वर्तमान और भविष्य के बीच एक कड़ी बनाते हैं, जो न केवल सैन्य उपलब्धियों का जश्न मनाते हैं, बल्कि राष्ट्र सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करने के लिए एक मंच भी प्रदान करते हैं।

हम भाजपा के फैसले का समर्थन करेंगे, महायुति में मतभेद नहीं : शिंदे

मुंबई, महाराष्ट्र के कार्यवाहक मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने रविवार को दोहराया कि राज्य के नये मुख्यमंत्री के बारे में भाजपा फैसला करेगी, जिसका वह पूरा समर्थन करेंगे। सतारा जिले में अपने पैतृक गांव से मुंबई रवाना होने से पहले उन्होंने यह भी कहा कि सरकार गठन को लेकर महायुति के सहयोगियों के बीच कोई मतभेद नहीं है। यह पूछे जाने पर कि क्या उनके पुत्र श्रीकांत शिंदे को नयी सरकार में उपमुख्यमंत्री बनाया जाएगा और क्या शिवसेना ने गृह विभाग के लिए दावा पेश किया है, शिंदे ने कहा कि बातचीत चल रही है, महायुति की तीनों सहयोगी सरकार गठन की बारीकियों पर चर्चा करेंगे। शिंदे शुक्रवार को अपने पैतृक गांव चले गए थे। बताया गया था कि उन्हें तेज बुखार है। ऐसी अटकलें थीं कि शिंदे नयी सरकार के गठन से खुश नहीं हैं। इस पर शिंदे ने कहा कि वह नियमित रूप से अपने गांव आते हैं और उनके दौरे को लेकर कोई भ्रम नहीं होना चाहिए, क्योंकि उन्होंने

पिछले सप्ताह ही मुख्यमंत्री पद पर अपना रुख स्पष्ट कर दिया था। इस बीच, भाजपा नेता रावसाहेब दानवे ने कहा कि नये मुख्यमंत्री का नाम तय हो गया है, पार्टी नेतृत्व की पुष्टि का इंतजार है। पूर्व केंद्रीय मंत्री दानवे ने किसी का नाम लिए बिना कहा कि महाराष्ट्र के लोग जानते हैं कि अगला मुख्यमंत्री कौन होगा। इससे पहले, शनिवार को प्रदेश भाजपा अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा था कि पांच दिसंबर को महायुति सरकार का शपथग्रहण समारोह होगा। भाजपा

महाराष्ट्र में सीएम का नाम तय : दानवे

राष्ट्रपति शासन क्यों नहीं लगा आदित्य ठाकरे

शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के नेता आदित्य ठाकरे ने कहा कि चुनाव नतीजे घोषित होने के एक सप्ताह से अधिक समय बाद भी मुख्यमंत्री के नाम पर फैसला नहीं किया जाना और सरकार न बना पाना महाराष्ट्र का अपमान है। आदित्य ने सवाल उठाया कि राज्य में अभी तक राष्ट्रपति शासन क्यों नहीं लगाया गया।

सूत्रों के अनुसार, सीएम पद के लिए देवेंद्र फडणवीस का नाम सबसे आगे है। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि विधायक दल की बैठक तीन या चार दिसंबर को हो सकती है।

उबर अब जल परिवहन सेवा में भी, एप पर श्रीनगर में शिकारा किया जा सकेगा बुक

कंपनी ने एशिया में अपनी तरह की यह पहली सेवा शुरू की है

श्रीनगर, टैक्सी सेवा प्रदाता कंपनी उबर ने भारत में अपनी पहली जल परिवहन सेवा शुरू की है। उबर इंडिया एवं दक्षिण एशिया के अध्यक्ष प्रभजीत सिंह ने सोमवार को बताया कि उबर के ऐप के जरिये अब श्रीनगर में डल झील पर शिकारे की बुकिंग की जा सकेगी। कंपनी ने एशिया में अपनी तरह की यह पहली सेवा शुरू की है।

सिंह ने कहा, '' 'उबर शिकारा' यात्रियों को शिकारा की सवारी के लिए एक सहज अनुभव देने के लिए प्रौद्योगिकी तथा परंपरा को मिलाने का हमारा प्रयास है। हमें कश्मीर के लुभावने परिदृश्य में पहुंच बढ़ाने और पर्यटन को बढ़ावा देने वाली यह सेवा प्रदान करने पर गर्व है।

उबर के प्रवक्ता ने पुष्टि की कि भारत में उबर की जल परिवहन सेवा एशिया में भी अपनी तरह की पहली सेवा है। कंपनी इटली के वेनिस सहित कुछ यूरोपीय देशों में

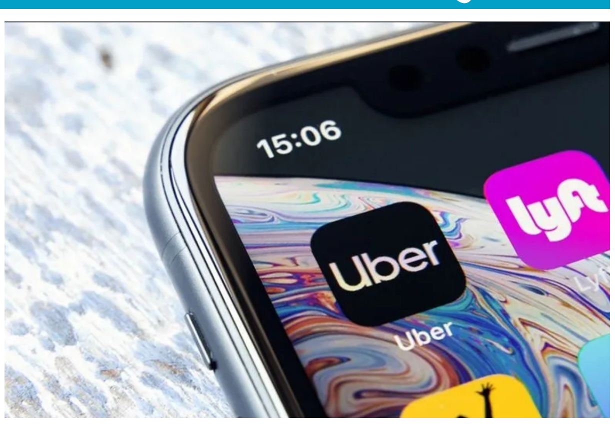

जल परिवहन बुकिंग की सुविधा प्रदान करता है। भारत में कंपनी ने शुरुआत में सात शिकारा को शामिल किया है और सेवा की लोकप्रियता के आधार पर धीरे–धीरे बेड़े का विस्तार करने की योजना बना रही है।

उबर उपयोगकर्ता सरकार द्वारा निर्धारित दरों पर शिकारा बुक कर सकेंगे। कंपनी के प्रवक्ता ने कहा कि उबर अपने शिकारा भागीदारों से कोई शुल्क नहीं ले रही है और पूरी राशि उन्हें दे दी जाएगी।

शिकारा ओनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष वली मोहम्मद ने कहा कि डल झील में करीब 4,000 शिकारा हैं और उन्हें उम्मीद है कि उबर और अधिक शिकारा साझेदारों को अपने साथ जोड़ेगा।

राजिंदरा अस्पताल में चूहों का हुड़दंग

मरीजों के लिए खतरा बने चूहे, चिकित्सा उपकरणों और बिजली तारों को पहुंचा रहे नुकसान

पटियाला, पंजाब के प्रमुख और सबसे व्यस्त सरकारी चिकित्सालयों में से एक सरकारी राजिंदरा अस्पताल के अधिकारी अपने परिसर में चूहों के बढ़ते खतरे को लेकर चिंतित हैं। चूहों के झुंड ने अस्पताल और उसके आसपास को अपना घर बना लिया है, जिससे अस्पताल के चिकित्सा उपकरणों और बिजली के तारों के अलावा मरीजों और उनके परिचारकों के लिए गंभीर खतरा पैदा हो गया है।

अधिकारियों ने कुछ बार कीट नियंत्रण एजेंसी को नियुक्त करने का प्रयास किया है। लेकिन हर बार यह केवल कुछ हफ्तों तक ही काम करता था, जिसके बाद चूहे अस्पताल के कर्मचारियों और मरीजों को परेशान करने के लिए वापस आ जाते थे। यह समस्या अब चिंताजनक रूप ले चुकी है क्योंकि चूहे अस्पताल की

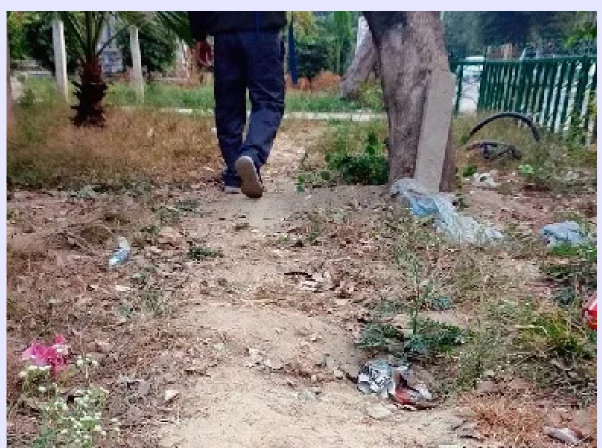

इमारत के नीचे गहरे बिल खोद रहे हैं और इसके सामान को नुकसान पहुंचा रहे हैं। एक मरीज के तीमारदार प्रकाश थापा ने कहा, 'आप अस्पताल के हर कोने में चूहों को घूमते हुए देख सकते हैं। मरीजों और उनके परिचारकों के लिए यहां एक भी रात बिताना एक दु:स्वप्न है,' एक डॉक्टर ने कहा, 'अस्पताल के रोजमर्रा के कामकाज में चूहे एक बड़ी बाधा बन गए हैं। आस–पास अवैध ढाबों के बढ़ने और परिसर में मरीजों के परिचारकों द्वारा भोजन की खपत के कारण उनकी संख्या में वृद्धि हुई है।' एक मृत मरीज के परिचारक ने कहा कि उन्हें यह सुनिश्चित करना पड़ा कि चूहों के कमरे में प्रवेश करने और मानव मांस खाने के डर से शवगृह कक्ष को बंद रखा जाए।

अधिकारियों ने उन सैकड़ों चूहों को खत्म करने के लिए दो एजेंसियों को काम पर रखा है, जिन्होंने ब्रिटिश–युग के अस्पताल भवन के नीचे गहरे बिल खोदे हैं।

द ट्रिब्यून से बात करते हुए, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. गिरीश साहनी ने कहा, 'चूहों को पूरी तरह से खत्म करना होगा। इसके लिए हमने दो निजी कंपनियों को काम पर रखा है।' चूहे पहले ही अस्पताल की संपत्ति और महत्वपूर्ण सरकारी फाइलों और रिकॉर्डों को व्यापक नुकसान पहुंचा चुके हैं।

डॉ. साहनी ने कहा। 'अनुबंध एक साल के लिए है और काम शुरू हो चुका है। दोनों कंपनियां पूरे साल परिसर में काम करेंगी,'। चूहे मारने वाली टीमें पूरे अस्पताल परिसर को कवर करेंगी और खुला भी रखेंगी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, 'कंपनियां चूहों को मारने के लिए खाद्य वस्तुएं तैयार करेंगी। ऐसी वस्तुओं की सामग्री विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के दिशानिर्देशों के अनुसार होगी। कंपनियां यह सुनिश्चित करने के लिए भी तरीके अपनाएंगी कि समस्या दोबारा उत्पन्न न हो।'

एनसीआर में सबसे ज्यादा बढ़े जमीनों के सर्किल रेट

चंडीगढ़, हरियाणा में प्रॉपर्टी के कलेक्टर (सर्किल) रेट में बढ़ोतरी हो गई है। यह बढ़ोतरी एक दिसंबर से लागू होनी थी, मगर इस दिन रविवार होने की वजह से तहसीलों में कामकाज नहीं होता, इसलिए सोमवार से राज्य में प्रॉपर्टी के बढ़े हुए कलेक्टर रेट लागू हो जाएंगे। सबसे अधिक कलेक्टर रेट गुरुग्राम में बढ़े हैं, जहां 10 से 30 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है, जबकि दूसरे नंबर पर फरीदाबाद है, जहां 10 से 20 प्रतिशत कलेक्टर रेट बढ़े हैं। इस रेट से कम पर जमीन की रजिस्ट्री नहीं हो सकती। प्रदेश सरकार के राजस्व में बढ़ोतरी का बहुत बड़ा जरिया जमीन के कलेक्टर रेट होते हैं। सभी जिलों में वहां की जमीन की लोकेशन के हिसाब से उसके कलेक्टर रेट अलग–अलग निर्धारित किये जाते हैं। हरियाणा में इसी साल अप्रैल से बढ़े हुए कलेक्टर रेट लागू होने थे, लेकिन विधानसभा चुनाव की वजह से इन्हें लागू करने में देरी हुई है। हरियाणा के एनसीआर में शामिल रोहतक, बहादुरगढ़, पलवल, सोनीपत, पानीपत और करनाल में भी जमीन के कलेक्टर रेट काफी बढ़े हैं।

कर्नाटक में पहली तैनाती पर जा रहे IPS अफसर की गाड़ी का टायर फटा, मौत

कर्नाटक कैडर के 2023 बैच के आईपीएस अधिकारी हर्षवर्धन मध्य प्रदेश के रहने वाले थे

हासन (कर्नाटक), कर्नाटक के हासन जिले में अपनी पहली तैनाती को लेकर कार्यभार संभालने जा रहे भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के एक अधिकारी की दुर्घटना में मौत हो गई। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया व उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने आईपीएस अधिकारी के निधन पर शोक जताया है।

पुलिस ने बताया कि कर्नाटक कैडर के 2023 बैच के आईपीएस अधिकारी हर्षवर्धन मध्य प्रदेश के रहने वाले थे। दुर्घटना रविवार शाम की है जब हासन तालुक के किट्टाने के निकट पुलिस वाहन का टायर फट गया, जिसके बाद चालक ने नियंत्रण खो दिया और वाहन सड़क किनारे एक घर और पेड़ से टकरा गया।

पुलिस के अनुसार, वर्धन होलेनरसीपुर में परिवीक्षाधीन सहायक पुलिस अधीक्षक के रूप

में ड्यूटी पर रिपोर्ट करने के लिए हासन जा रहे थे। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि वर्धन के सिर में गंभीर चोट आई और इलाज के दौरान अस्पताल में उनकी मौत हो गई, जबकि चालक मंजेगौड़ा को मामूली चोटें आईं। पुलिस ने बताया कि आईपीएस अधिकारी ने हाल में मैसूर स्थित कर्नाटक पुलिस अकादमी में अपना चार सप्ताह का प्रशिक्षण पूरा किया था।

कर्नाटक के तुमकुर में सड़क दुर्घटना में तीन महिलाओं की मौत

कर्नाटक के तुमकुर में सिरा तालुक में सोमवार तड़के चिकनहल्ली फ्लाईओवर पर एक बस के डिवाइडर से टकरा जाने के कारण तीन महिलाओं की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि बस करीब 30 यात्रियों को लेकर बेंगलुरु जा रही थी, तभी सुबह करीब साढ़े चार बजे यह हादसा हुआ। पुलिस ने बताया कि तीन महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतकों की पहचान शेफाली सिंह, उर्वी और प्रियंका के तौर पर हुई है। बस 'सन राइजर ट्रैवल्स' की थी, जो गोवा से बेंगलुरु आ रही थी तभी राष्ट्रीय राजमार्ग–48 पर दुर्घटनाग्रस्त हो गई।

हर दंपति कम से कम तीन बच्चे पैदा करे-भागवत

नागपुर, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने जनसंख्या वृद्धि में गिरावट पर चिंता जताते हुए रविवार को कहा कि भारत की कुल प्रजनन दर (टीएफआर) मौजूदा 2.1 के बजाए कम से कम तीन होनी चाहिए। नागपुर में 'कठाले कुलसम्मेलन' में उन्होंने परिवारों की महत्वपूर्ण भूमिका पर भी प्रकाश डाला और आगाह किया कि जनसंख्या विज्ञान के अनुसार, यदि किसी समाज की कुल प्रजनन दर 2.1 से नीचे जाती है, तो यह विलुप्त होने के कगार पर पहुंच सकता है।

'आप' विधायक नरेश बाल्यान दो दिन की पुलिस हिरासत में

दिल्ली पुलिस ने अपने आवेदन में दावा किया कि बाल्यान ने जांच के दौरान सहयोग नहीं किया

नयी दिल्ली, दिल्ली की एक अदालत ने आम आदमी पार्टी विधायक नरेश बाल्यान को जबरन वसूली के एक मामले में दो दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया। दिल्ली के उत्तम नगर विधानसभा क्षेत्र से विधायक बाल्यान को पूछताछ के लिए आर के पुरम स्थित दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा कार्यालय में शनिवार को बुलाया गया था और बाद में उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। दिल्ली पुलिस ने अपने आवेदन में दावा किया कि बाल्यान ने जांच के दौरान सहयोग नहीं किया और 'जबरन वसूली के गिरोह' में अन्य लोगों की संलिप्तता के बारे में साजिश का पता लगाने के लिए उनसे हिरासत में पूछताछ आवश्यक है। आरोपी से पांच दिन की हिरासत में पूछताछ किये जाने का आग्रह करते हुए आवेदन में दावा किया गया कि उनकी आवाज के नमूने की जरूरत है ताकि पुलिस बाल्यान की एक गैंगस्टर से बातचीत की कथित ऑडियो क्लिप से इसकी जांच कर सके। बाल्यान के

वकील ने हालांकि गिरफ्तारी को 'अवैध' और 'राजनीतिक' बताया। उन्होंने कहा कि गिरफ्तारी के समय आरोपी को गिरफ्तारी के आधार लिखित में नहीं दिए गए थे। ड्यूटी पर मौजूद न्यायाधीश ने विधायक को दो दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया और पुलिस को निर्देश दिया कि वह बाल्यान की हिरासत की अवधि समाप्त होने पर संबंधित अदालत के समक्ष आवेदन दायर करें। बाल्यान को गिरफ्तार किए जाने के कुछ घंटे पहले भाजपा ने आरोप लगाया था कि बाल्यान जबरन वसूली की गतिविधियों में संलिप्त हैं और पार्टी ने प्रश्न किया था कि 'आप' प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने उनके खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं की। आम आदमी पार्टी ने हालांकि बाल्यान का बचाव करते हुए कहा कि यह एक फर्जी ऑडियो क्लिप है और उनके खिलाफ आरोप निराधार हैं। 'आप' विधायक नरेश बाल्यान की गिरफ्तारी की आलोचना करते हुए केजरीवाल ने दावा किया कि इससे यह संदेश गया है कि जो लोग अपराध के खिलाफ आवाज उठाएंगे, उन्हें जेल भेजा जाएगा, जबकि गैंगस्टर को संरक्षण दिया जाएगा। केजरीवाल ने दावा किया, 'अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय, अमित शाह और भाजपा ने मुझ पर हमला कराया और मेरे विधायक को गिरफ्तार कर लिया गया।'

नवंबर महीने में पंजाब ने नेट जीएसटी में 62.93 फीसदी की वृद्धि दर्ज की-हरपाल सिंह चीमा

नवंबर तक नेट जीएसटी, आबकारी, वैट, सीएसटी और पीएसडीटी से कुल राजस्व में 10.05 फीसदी की वृद्धि

एसके सक्सैना

चंडीगढ़, 1 दिसंबर– पंजाब के वित्त, योजना, आबकारी और कराधान मंत्री एडवोकेट हरपाल सिंह चीमा ने आज यहां घोषणा की कि राज्य ने नवंबर 2023 की तुलना में नवंबर 2024 के दौरान नेट जीएसटी संग्रह में 62.93त्न की प्रभावशाली वृद्धि दर्ज की है। इसके अतिरिक्त, इस वित्तीय वर्ष के नवंबर तक कुल जीएसटी संग्रह में वित्तीय वर्ष 2023–24 की समान अवधि की तुलना में 10.30त्न की वृद्धि दर्ज की गई है।

आबकारी में भी नवंबर 2024 तक 13.17 फीसदी की प्रभावशाली वृद्धि

वित्तीय वर्ष 2023-24 की तुलना में नवंबर नेट जीएसटी में 10.30 फीसदी की वृद्धि

एनसीसी कैडेट्स ने वन रेस हाफ मैराथन में यातायात नियंत्रण ड्यूटी निभाई

एसके सक्सैना

जालंधर, 01 दिसंबर 2024, जालंधर शहर में आज वन रेस हाफ मैराथन का आयोजन किया गया। इस मैराथन में लायलपुर खालसा कॉलेज के एनसीसी कैडेट्स ने जालंधर पुलिस के साथ मिलकर शहर के ट्रैफिक को नियंत्रित करने में अहम भूमिका निभाई। आर्मी विंग के 60 कैडेट्स और एयर विंग के 21 कैडेट्स ने गुरु गोबिंद सिंह स्टेडियम से लेकर सी टी कॉलेज, शाहपुर तक विभिन्न चौराहों पर यह ड्यूटी निभाई

मुख्यमंत्री ने पंजाब की सामाजिक-आर्थिक प्रगति में युवाओं को सक्रिय भागीदार बनाने का संकल्प दोहराया

कृषि विश्वविद्यालय में युवक मेले में संत राम उदासी की कविता सुना कर श्रोताओं को किया मंत्रमुग्ध

युवक मेले युवाओं के व्यापक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं : मुख्यमंत्री

एसके सक्सैना

लुधियाना, 1 दिसंबर 2024– पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने रविवार को कहा कि राज्य सरकार युवाओं को पंजाब के सामाजिक–आर्थिक विकास में सक्रिय भागीदार बनाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है।

युवाओं को सफलता के बाद भी डटे रहने की नसीहत दी

सेंसेक्स, निफ्टी में शुरुआती कारोबार में गिरावट

बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 493.84 अंक की गिरावट क साथ 79,308.95 अंक पर आ गया

मुंबई, घरेलू शेयर बाजारों सेंसेक्स और निफ्टी में सोमवार को शुरुआती कारोबार में गिरावट दर्ज की गई। विदेशी पूंजी की सतत निकासी से बाजार की धारणा प्रभावित हुई। बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 493.84 अंक की गिरावट क साथ 79,308.95 अंक पर आ गया।

एनएसई निफ्टी 122.45 अंक फिसलकर 24,008.65 अंक पर रहा। निराशाजनक व्यापक आर्थिक आंकड़ों का असर भी बाजार पर पड़ा। शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, विनिर्माण तथा खनन क्षेत्रों के खराब प्रदर्शन और कमजोर उपभोग के कारण भारत की आर्थिक वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष 2024–25 की जुलाई–सितंबर तिमाही में घटकर करीब दो वर्ष के सबसे निचले स्तर 5.4 प्रतिशत पर आ गई।

सेंसेक्स में सूचीबद्ध 30 कंपनियों में से इंडसइंड बैंक, एचडीएफसी बैंक, लार्सन एंड टूब्रो, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, रिलायंस इंडस्ट्रीज, बजाज फाइनेंस, एनटीपीसी और हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयरों में सबसे अधिक गिरावट आई।

मारुति, अल्ट्राटेक सीमेंट, अदाणी पोर्ट्स और टाटा मोटर्स के शेयरों में बढ़त दर्ज की गई। एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी नुकसान में रहा जबकि जापान का निक्की, हांगकांग का हैंगसेंग तथा चीन का शंघाई कम्पोजिट फायदे में रहे।

अमेरिकी बाजार शुक्रवार को सकारात्मक रुख के साथ बंद हुए थे। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.56 प्रतिशत की बढ़त के साथ 72.24 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशक

(एफआईआई) शुक्रवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 4,383.55 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

रुपये ने शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सीमित दायरे में किया कारोबार

घरेलू शेयर बाजारों में नकारात्मक रुख के बीच रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में स्थिर खुला और अपने सर्वकालिक निम्न स्तर से केवल दो पैसे चढ़कर 84.58 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि अमेरिकी मुद्रा के मजबूत होने और विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी ने निवेशकों की भावनाओं को और प्रभावित किया।

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 84.59 प्रति डॉलर पर खुला और सीमित दायरे में कारोबार करता हुआ 84.58 प्रति डॉलर पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव के मुकाबले केवल दो पैसे की बढ़त दर्शाता है। शुरुआती कारोबार में यह अमेरिकी डॉलर के मुकाबले अपने सर्वकालिक निम्न स्तर 84.60 पर भी पहुंच गया। रुपया शुक्रवार को अपने सर्वकालिक निचले स्तर 84.60 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.52 प्रतिशत की बढ़त के साथ 106.28 पर रहा। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.57 प्रतिशत चढ़कर 72.25 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) शुक्रवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 4,383.55 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

बागेश्वर धाम प्रमुख को धमकी देने पर परवाना पर हो राष्ट्रद्रोह का मामला दर्ज : वीरेश शांडिल्य

हिंदू सिख दंगे करवाने की परवाना ने रची साजिश, पूरे देश में माहौल होगा खराब : शांडिल्य

शांडिल्य बोले, 48 घंटे में कट्टरपंथी भिंडरावाला समर्थक परवाना गिरफ्तार ना हुआ तो सड़कों पर उतरेंगे

एसके सक्सैना

अमृतसर : एंटी टेररिस्ट फ्रंट इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष और विश्व हिंदू तख्त के अंतरराष्ट्रीय प्रमुख वीरेश शांडिल्य ने आज पंजाब एवं हरियाणा के डीजीपी को लिखित शिकायत भेजी है जिसमें शांडिल्य ने राजपुरा निवासी एवं आतंकवादी जरनैल सिंह भिंडरावाला के कट्टर समर्थक बरजिंदर सिंह परवाना पर राष्ट्रद्रोह और धार्मिक भावनाएं भड़काने के आरोप में एफआईआर दर्ज कर उसे 48 घंटे के भीतर गिरफ्तार करने की मांग की गई है। वीरेश शांडिल्य ने अपनी शिकायत में कहा है कि उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो देखा जिसमें बरजिंदर सिंह परवाना ने भगवान हनुमान जी का पूरे विश्व में प्रचार–प्रसार कर रहे बागेश्वर धाम के प्रमुख धीरेन्द्र शास्त्री को जान से मारने की धमकी दी।

जीएसटी संग्रह नवंबर में 8.5 प्रतिशत बढ़कर 1.82 लाख करोड़ रुपये

नई दिल्ली, घरेलू लेनदेन से अधिक राजस्व मिलने से नवंबर में सकल माल एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह 8.5 प्रतिशत बढ़कर 1.82 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। रविवार को जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार, केंद्रीय जीएसटी संग्रह 34,141 करोड़ रुपये, राज्य जीएसटी 43,047 करोड़ रुपये, एकीकृत आईजीएसटी 91,828 करोड़ रुपये और उपकर 13,253 करोड़ रुपये रहा। नवंबर में कुल सकल जीएसटी राजस्व 8.5 प्रतिशत बढ़कर 1.82 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया, जबकि एक साल पहले इसी महीने में यह 1.68 लाख करोड़ रुपये था। अक्टूबर में 1.87 लाख करोड़ रुपये का जीएसटी संग्रह 9 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि के साथ दूसरा सबसे अच्छा जीएसटी संग्रह था। अब तक का सबसे अधिक संग्रह अप्रैल, 2024 में 2.10 लाख करोड़ रुपये से अधिक था। समीक्षाधीन महीने के दौरान घरेलू लेनदेन से जीएसटी राजस्व 9.4 प्रतिशत बढ़कर 1.40 लाख करोड़ रुपये हो गया।

खेल महाकुंभ के पदक विजेताओं को मिलेगा खेल आरक्षण का लाभ : धामी

देहरादून (एस) मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राज्य स्तरीय खेल महाकुंभ के पदक विजेता खिलाड़ियों को भी सीधी भर्ती के पदों पर अन्य खिलाड़ियों की तरह चार प्रतिशत आरक्षण का लाभ दिया जाएगा। साथ ही खेल महाकुंभ में जनपद स्तर पर प्रतिभाग करने वाले खिलाड़ियों को भी स्पोर्ट्स किट प्रदान की जाएगी। रविवार को युवा कल्याण निदेशालय में खेल महाकुंभ की राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं का शुभारंभ करते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उक्त घोषणाएं की हैं। उन्होंने इस अवसर पर डेफ ओलंपिक में स्कीइंग में हिस्सा लेने वाली खिलाड़ी अमीषा चौहान को 50 लाख की प्रोत्साहन राशि का चैक प्रदान किया। एथलेटिक्स में 27वीं नेशनल फेडरेशन में स्वर्ण पदक जीतने वाली सोनिया को 2 लाख और 22वें नेशनल फेडरेशन जूनियर में राहुल सरनालिया को स्वर्ण पदक जीतने पर 01 लाख रुपए का प्रोत्साहन राशि का चैक प्रदान किया। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि खेल महाकुंभ विशिष्ट आयोजन है। इसमें खिलाड़ियों को ग्राम पंचायत से लेकर ब्लॉक, जनपद होते हुए, राज्य स्तर तक प्रतिभा

प्रदर्शन का मौका मिलता है। इससे राज्य में खेल संस्कृति विकसित करने में मदद मिल रही है। साथ ही खेल महाकुंभ युवाओं में खेलों के प्रति रुचि बढ़ाने के साथ ही अनुशासन और टीम वर्क की भावना विकसित करने में भी योगदान दे रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गत वर्ष खेल महाकुंभ में सवा तीन लाख से अधिक खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया था, इस बार का आयोजन इस रिकॉर्ड को तोड़ने का काम करेगा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि इस बार के खेल महाकुंभ में विभिन्न स्तर के विजेता खिलाड़ियों को डीबीटी के माध्यम से 11 करोड़ रुपए से अधिक की पुरस्कार राशि वितरित की जाएगी।

अजमेर दरगाह सर्वे पर पूर्व नौकरशाहों ने मोदी को लिखा पत्र

एक स्थानीय अदालत की ओर से अजमेर शरीफ दरगाह के सर्वेक्षण का आदेश देने के कुछ दिनों बाद पूर्व नौकरशाहों और राजनयिकों के एक समूह ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर उन सभी 'अवैध और हानिकारक' गतिविधियों को रोकने लगाने के लिए हस्तक्षेप की मांग की है, जो भारत की सभ्यतागत विरासत पर 'वैचारिक हमला' हैं और एक समावेशी देश के विचार को विकृत करती हैं। समूह ने दावा किया कि सिर्फ प्रधानमंत्री 'सभी अवैध, हानिकारक गतिविधियों' को रोक सकते हैं। उसने मोदी को याद दिलाया कि उन्होंने खुद 12वीं शताब्दी के संत ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती के वार्षिक उर्स के अवसर पर शांति और सद्भाव के उनके संदेश को सम्मान देते हुए 'चादर' भेजी थी। समूह में दिल्ली के पूर्व उपराज्यपाल नजीब जंग, ब्रिटेन में भारत के पूर्व उच्चायुक्त शिव मुखर्जी, पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एसवाई कुरैशी, सेना के पूर्व उप–प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल जमीरुद्दीन शाह और आरबीआई के पूर्व डिप्टी गवर्नर रवि वीरा गुप्ता शामिल हैं।

अभिनेता विक्रांत मैसी का चौंकाने वाला ऐलान, 2025 में लेंगे एक्टिंग से संन्यास

विक्रांत ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए एक्टिंग से संन्यास लेने की घोषणा की

चंडीगढ़, फिल्मी दुनिया और हृअअ प्लेटफॉर्म के बेहतरीन अभिनेताओं में शुमार विक्रांत मैसी ने हाल ही में एक ऐसा ऐलान किया है, जिसने उनके प्रशंसकों और इंडस्ट्री को हैरान कर दिया है। गोधरा कांड पर आधारित 15 नवंबर को रिलीज उनकी हालिया फिल्म 'द साबरमती रिपोर्ट', को दर्शकों से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला। इस फिल्म में विक्रांत की दमदार परफॉर्मेंस की जमकर तारीफ हुई। हालांकि, इन दिनों चर्चा उनकी एक्टिंग नहीं, बल्कि उनके रिटायरमेंट की है। विक्रांत ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए एक्टिंग से संन्यास लेने की घोषणा कर दी है। उन्होंने लिखा फ्रपिछले कुछ साल और उसके बाद का समय काफी अच्छा रहा है। मैं आप सभी के समर्थन के लिए धन्यवाद देता हूं, लेकिन जैसे–जैसे मैं आगे बढ़ता जा

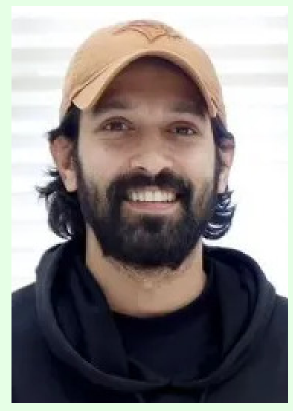

रहा हूं, मुझे अहसास हो रहा है कि अब समय आ चुका है कि मैं खुद को फिर से संभालूं और घर वापस जाऊं। एक पति, पिता और बेटे के तौर पर और एक एक्टर के तौर पर भी। 2025 में हम एक आखिरी बार एक–दूसरे से मिलेंगे। विक्रांत ने अपने फैसले की वजह स्पष्ट नहीं की है, जिसके कारण फैंस के बीच कई सवाल उठ खड़े हुए हैं। सोशल मीडिया पर उनके प्रशंसक और साथी कलाकार उनकी इस घोषणा से स्तब्ध हैं। कई लोगों ने कमेंट कर उनसे इस अचानक फैसले की वजह पूछी है। विक्रांत ने छोटे पर्दे से अपने करियर की शुरुआत की और अपनी दमदार एक्टिंग से फिल्मों और ओटीटी प्लेटफॉर्म पर अपनी पहचान बनाई। 'मिर्जापुर', 'छपाक', 'हसीन दिलरुबा', और 'कार्गो' जैसी कई फिल्मों और सीरीज में उन्होंने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। अब, जब उनकी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं, विक्रांत का यह फैसला वाकई चौंकाने वाला है। 2025 तक वह अपनी दो आखिरी फिल्मों के साथ दर्शकों के सामने आएंगे, जिसके बाद वह एक्टिंग की दुनिया को अलविदा कह देंगे।

हमारी लड़ाई भारत की आत्मा के लिए है : कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी

रविवार को भारती जनता पार्टी नीत केंद्र सरकार पर निशाना साधा

वायनाड(केरल), कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाद्रा ने रविवार को भाजपा नीत केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि आज लड़ाई उस ताकत के खिलाफ है जो लोगों के अधिकारों को कमजोर कर उन्हें कुछ ''कारोबारी मित्रों को सौंप रही है। उन्होंने यहां मनंतवाडी में एक सभा को संबोधित करते हुए कहा, फ्रहम एक ऐसी ताकत के खिलाफ लड़ रहे हैं जो उन संस्थाओं को नष्ट करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है जिन पर हमारा देश बना है। वायनाड से सांसद ने कहा, आज हम अपने राष्ट्र की भावना के लिए, भारत की आत्मा के लिए लड़ रहे हैं। कांग्रेस महासचिव ने कहा कि यह लड़ाई इस देश की शक्ति और संसाधनों पर उसके लोगों का अधिकार सुनिश्चित करने के लिए है। वायनाड में 30 जुलाई को हुए भीषण भूस्खलन को याद करते हुए प्रियंका ने कहा कि उन्होंने कई त्रासदियां देखी हैं। उन्होंने कहा, फ्रजब भी कोई त्रासदी होती है, हम पूरे भारत में जाते हैं, लोगों से

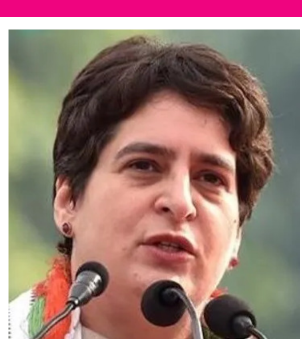

मिलते हैं। लेकिन, यहां आकर मैंने जो दर्द और पीड़ा देखी, वह शायद ही कभी देखी हो। प्रकृति का प्रकोप एक छोटे से क्षेत्र में केंद्रित हो गया था। क्षेत्र के सभी मकान बह गए, सभी परिवार विस्थापित हो गए, सभी आजीविकाएं खत्म हो गईं। लेकिन फिर भी इस तबाही के बीच, और इस दर्द व पीड़ा के बीच मैंने आप सभी की मानवता देखी। उन्होंने कहा, आपने धर्म नहीं पूछा, आपने जाति नहीं पूछी, आपने पीड़ितों की मदद के लिए जो कुछ भी कर सकते थे, किया।फ्र वायनाड से लोकसभा सदस्य ने कहा, फ्रमैं चाहती हूं कि आप में से हर कोई यह जान ले कि आप मेरी जिम्मेदारी हैं। मैं आपके प्यार को पूरी गंभीरता से लेती हूं और अगले पांच वर्षों में आपके भविष्य को बेहतर बनाने के लिए लड़ाई लड़ना मेरा कर्तव्य है। हालिया उपचुनाव जीतने के बाद वह पहली बार वायनाड पहुंची हैं। उन्होंने कहा कि वह उन्हें मिले प्यार और स्नेह के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए दो दिन के लिए यहां आई हैं। प्रियंका ने कहा, लेकिन इसके बाद मेरा असली काम शुरू होगा और हम आपकी सभी समस्याओं को हल करने के लिए मिलकर काम करेंगे। उन्होंने कहा कि उनका सबसे पहला काम मलयालम सीखना है। प्रियंका ने कहा, कल ऐसी ही एक सभा में, लोगों के बीच से किसी ने मुझसे कहा कि आप वादा कीजिये कि आप फिर आएंगी। इसलिए मैं वादा करती हूं कि मैं इतनी बार आऊंगी कि आप मुझसे ऊब जाएंगे। इसलिए कृपया मुझे देखने की आदत डाल लीजिए। सभा के दौरान किसी ने पूछा कि क्या वह यहां रहेंगी तो उन्होंने कहा, मैं निश्चित रूप से इस पर विचार करूंगी। उन्होंने कहा कि वह यहां रहने के लिए एक अच्छी जगह की तलाश करेंगी। सुल्तान बाथरी में अपने संबोधन में कांग्रेस सांसद ने आरोप लगाया कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने चार महीने पहले वायनाड में हुए भीषण भूस्खलन का राजनीतिकरण किया। कांग्रेस नेता ने कहा, फ्रसत्ता में मौजूद व्यक्तियों को यह समझना चाहिए कि एक बड़ी त्रासदी हुई है और इस पर राजनीति नहीं करनी चाहिए। कांग्रेस महासचिव ने कहा, मैं हिमाचल प्रदेश में लगभग डेढ़ साल से ऐसे ही हालात से जूझ रहे लोगों से मिलने गई थी। और मैंने देखा कि शायद इसलिए केंद्र सरकार पीड़ित लोगों के पुनर्वास के लिए पैसे नहीं भेज रही है क्योंकि वहां कांग्रेस की सरकार है। उन्होंने वायनाड का जिक्र करते हुए आरोप लगाया, फ्रइसके अलावा, राज्य सरकार और केंद्र सरकार भी अपने कदम पीछे खींच रही है तथा पीड़ितों की मदद के लिए आवश्यक कदम नहीं उठा रही है।

रोज़मरा की जिम्मेदारियों के साथ खुद की संभाल भी बहुत ज़रूरी

महिलाओं की सेहत से जुडी समस्याओं को शरीर ही नहीं, मनःस्थिति से जोड़कर देखना भी आवश्यक है। स्वयं स्त्रियों को भी अपनी फिटनेस हो या किसी बीमारी का घेरा, बहुत सी बातों को मन के मोर्चे पर भी देखने–समझने का प्रयास करना चाहिए। खुद को फिट रखने, अस्वस्थ रहने या किसी ब?ी बीमारी से जूझने के दौर में इस पहलू पर सोचना वाकई मददगार साबित होगा। कई परेशानियों का हल तो आप खुद ही ढूंढ लेंगी। साथ ही उदासी और आलस के घेरे में आने के बजाय हर हाल में फिट, एक्टिव और स्वस्थ भी रहेंगी। जरूरी यह भी कि अपनी देखभाल के लिए सुपर वुमन सिंड्रोम से भी बचें। हर मामले में परफेक्ट बनने की आपाधापी भी अपनी देखभाल करने की फुर्सत नहीं लेने देती।

थका सा मन शरीर को भी थकान के घेरे में ले आता है। हरदम उदास रहना बीमारियों को न्योता देने का बड़ा कारण बनता है। हर पल की चिंता दिल की सेहत भी बिगाड़ती है। सब कुछ संभालने का जुनून दिमाग को चैन नहीं लेने देता। बावजूद इसके महिलाओं में सब कुछ करने की भागदौड़ और हर स्थिति को संभाल लेने की होड़ सी दिखती है। गृहिणी हो या कामकाजी, यह मानसिकता हर महिला को चिंता के घेरे में लाती है। सुपरवुमन सिंड्रोम के रूप में जानी जाने वाली यह आदत नींद की कमी और अत्यधिक तनाव जैसी समस्याओं का कारण बनती है। इन हालात में अपराधबोध और अवसाद जैसी समस्याएं जड़ें जमा लेती हैं। असल में अधिकतर स्त्रियां मातृत्व हो या रिश्तों–नातों की ज़िम्मेदारी, किसी भी मोर्चे पर चूकना नहीं चाहतीं। घर की संभाल हो या बच्चों की देखभाल, इनमें जरा सी चूक भी उनके मन में अपराधबोध भर देती है। इसीलिए स्वयं को सहज जीवन से जोड़ते हुए एक आम इंसान ही समझिए। हर हाल में सुपरवुमन बनना जरूरी नहीं है। खुद को हर मोर्चे पर परड़ैक्ट नहीं बनाया जा सकता। सब कुछ बेहतर हो यह सोच सही है पर इस बेहतरी का कोई फिक्स पैमाना मत बनाइए। खुद से खुद की यह तुलना अपराधबोध के चक्रव्यूह से कभी बाहर नहीं निकलने देगी। लंबे समय तक बना रहे तो अपराधबोध से उपजा यह उलझाव सेहत के लिए सबसे बड़ा जोखिम बन जाता है।

बहुत सी महिलाएं लंबे समय तक जूझने के बाद अपनी हेल्थ से जुड़ी समस्या का जिक्र करती हैं। अपनों को बताने में भी हिचकती हैं। अपनी जिम्मेदारियों के निर्वहन में गुम स्त्रियां रुटीन चैकअप के लिए डाक्टर के पास जाने में भी बहाने करती हैं। ऐसे में समस्या और ब? जाती है। आराम करने के बजाय काम करते रहने से जुड़ी गलती हो या दवा लेने में देरी, पीड़ा और परेशानी दोनों बड़ा देते हैं। परिवार और परिजनों का ध्यान रखने में इतना व्यस्त हो जाती हैं कि खुद के स्वास्थ्य पर ध्यान ही नहीं देतीं। इसीलिए अपने स्वास्थ्य की बिगड़ती स्थितियों को समय रहते समझें। ना कहना सीखें और अपने सुकून –आराम को प्राथमिकता दें। खुद को भी थोड़ी राहत देने के लिए जिम्मेदारियां बांटने की सोच रखें। स्वास्थ्य समस्याओं को छिपाने की गलती तो बिलकुल ना करें। अपनों के संग अपनी शारीरिक तकलीफ को साझा करने से आपको मन का संबल भी मिलेगा और परेशानी का उपचार भी। तकलीफदेह है कि महिलाएं मानसिक ही नहीं, शारीरिक परेशानियों को भी खुलकर नहीं बतातीं। यहां तक कि उम्र के मुताबिक आ रहे बदलावों पर गौर करने में भी कोताही करती हैं। जबकि अध्ययन बताते हैं कि महिलाएं आयु के पड़ाव को पार करने के बाद पुरुषों के मुड़ाबले ज्यादा स्वास्थ्य समस्याओं का शिकार होती हैं।

घर के हर सदस्य को समय से सोने–जागने, संतुलित आहार लेने, नियमित मेडिकल जांच करवाने और यहां तक कि फिजिकली एक्टिव रहने की सलाह देने वाली महिलाएं खुद इन बातों के मोर्चे पर चूक जाती हैं। सबका जीवन आसान बनाने की जिम्मेदारियां निभाते–निभाते, अपनी सेहत और सक्रियता से जुड़ी बातों पर सोच ही नहीं पातीं। जबकि खुद का ख्याल रखे बिना, खुद से प्यार किए बिना अपनों का ख्याल रखना भी कठिन है। हमारे देश में कुपोषित महिलाओं की दर विकासशील देशों में सबसे ज्यादा है। समझना मुश्किल नहीं कि कारण भले अलग–अलग हों पर इनमें हर तबके की स्त्रियां ही शामिल हैं। इसीलिए व्यवस्थित दिनचर्या अपनाएं। अपनों की ही नहीं, अपनी थाली में भी ताज़ा और हेल्दी फूड को प्राथमिकता दें। भरपूर नींद और कसरत के लिए वक्त निकालने का पक्का नियम ही बना लें। खुद को उपेक्षित करने की गलती शारीरिक–मानासिक और मनोवैज्ञानिक, हर मोर्चे पर नुकसानदेह होती है। इतना ही नहीं असंतुलित जीवनशैली से हार्मोनल सिस्टम भी बिगड़ता है। यह असंतुलन अपनेआप में कई परेशानियों को बड़ाता है। हमारे पारिवारिक परिवेश में सधी–स्वस्थ जीवनशैली के लिए घर के दूसरे सदस्यों को महिलाएं चेताती हैं पर खुद को भूल जाती हैं। ऐसे में हर महिला को स्वयं की संभाल को भी प्राथमिकता देनी चाहिए।

–डॉ. मोनिका शर्मा

सेहतमंद भविष्य की आदतें बचपन में ही डालें

बीते माह त्योहार के अवसर पर गुजरात में 10 लोगों की हार्ट अटैक से मौत की खबर सुर्खियों में रही। जिनमें से एक 17 साल का किशोर भी था। इतनी कम उम्र में अचानक हुई मौत से सबका हैरान होना स्वाभाविक है। कुछ लोग बच्चे की लाइफ लाइन के तार जन्मजात बीमारी से जो? रहे हैं, तो कुछ आधुनिक आरामपरस्त जीवनशैली और खानपान की गलत आदतों से। शहरों में रहने वाले तकरीबन 90 प्रतिशत पैरेंट्स इन आदतों को अपने बच्चों में बचपन से ही जाने–अनजाने विकसित कर रहे हैं। जिसका असर देर–सवेर बच्चों पर देखने को मिल रहा है।

वैज्ञानिकों की मानें तो 10 साल की उम्र तक पहुंचते–पहुंचते कई बच्चों की हार्ट आर्टरीज में ब्लॉकेज बनना शुरू हो जाता है। इतनी छोटी उम्र में हार्ट अटैक के मामले सामने आना खतरे की घंटी है। जिसके प्रति पैरेंट्स को सजग होने और बचपन से ही बच्चों में अच्छी आदतें डालने की जरूरत है। जानिये कुछ आदतें जो गलत खानपान व लाइफस्टाइल से होने वाली बीमारियों से बच्चों–किशोरों को बचाने में मददगार हैं।

घर पर बना खाना खाने की आदत डालें। कलरफुल रेनबो डाइट बनाएं। हर फूड–ग्रुप यानी फाइबर, प्रोटीन, विटामिन्स–मिनरल्स से भरपूर चीजें शामिल करें। फल–सब्जियां, दालें व दूध और दूध से बने पदार्थ ज्यादा से ज्यादा खाने के लिए दें। स्कूल में टिफिन के लिए भी घर में बनी ईजी–टू–ईट और पौष्टिक चीजें दें। हाइड्रेशन का ध्यान रखें। दिन में कम से कम 3–4 गिलास पानी या घर में बनाए कम चीनी वाले पेय पीने को दें। वहीं ऑयली और रिफाइंड चीजों से परहेज करने की आदत डालें–चीनी, नमक, मैदा और रिफाइंड ऑयल। इनसे बेवजह वजन ब?ने और कई बीमारियां होने का खतरा रहता है। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक, रोजाना 15–20 ग्राम या 3 चम्मच से अधिक चीनी देना नुकसानदेह है। इसलिए टॉफी–चॉकलेट, कोल्ड ड्रिंक्स, शेक, जूस जैसी चीजें से यथासंभव दूरी बना कर चलें। अल्ट्राप्रोसेस्ड, बेकरी, फास्ट फूड, जंक फूड भी कभी–कभार ही दें। कोशिश करें पौष्टिकता का ध्यान रखते हुए घर पर बनाकर दें। बच्चों की जरूरत की चीजें खुद उपलब्ध कराएं। पॉकेट मनी न दें या बहुत सीमित मात्रा में ही दें। इससे दोस्तों के संग स्कूल–कैंटीन या बाहर अनहेल्दी चीजें खाने की आदत से बचे रहेंगे। ज्यादा देर तक बच्चों को टीवी प्रोग्राम्स या लैपटॉप–मोबाइल पर गेम्स न खेलने दें। मानसिक रूप से जु? जाने पर वो सबकुछ भूल जाते हैं और बिना किसी मूवमेंट घंटों बैठे रहते हैं। स्क्रीन टाइम कम करने के लिए उनकी रुचि के हिसाब से दूसरी एक्टिविटीज करने के लिए प्रोत्साहित किया जाये तो बेहतर है। तरह–तरह के खिलौने, पजल्स, हॉबीज की चीजें लाकर दें। पेंटिंग, क्राफ्ट, डांस–म्यूजिक, इंस्ट्रूमेंट प्लेइंग, गेम व कंप्यूटर जैसी एक्टिविटीज की लर्निंग–क्लासेज ज्वाइन कराएं। इससे बच्चे की क्रिएटिविटी ब?ने के साथ ही वह एक्टिव भी रहेगा।

नागालैंड की समृद्ध संस्कृति का उत्सव

हॉर्नबिल महोत्सव 1 से 10 दिसंबर

हर साल 1 से 10 दिसंबर तक मनाये जाने वाले नागालैंड के हॉर्नबिल महोत्सव को 'त्योहारों का त्योहार' या 'महोत्सव' कहते हैं; क्योंकि यह नागालैंड की किसी एक जाति विशेष का त्योहार नहीं बल्कि नागालैंड में रहने वाले सभी जाति समूहों का वार्षिक त्योहार है। इसमें समूचा नागालैंड शरीक करता है। यह नागा जनजाति का सबसे ब?ा वार्षिक महोत्सव है। इस सांस्कृतिक त्योहार में हिस्सेदारी करके सभी नागा जनजातियां आपसी एकता और सौहार्द की भावना प्रस्तुत करती हैं। यह महोत्सव कोहिमा से करीब 12 किलोमीटर दूर किसामा हेरीटेज गांव में मनाया जाता है। माना जाता है कि यह गांव सभी नागा जनजातियों का उद्गम है।

हम सभी जानते हैं नागालैंड में एक–दो नहीं लगभग 38 विभिन्न जनजातियां रहती हैं, जिनमें से कई के एक–दूसरे से भिन्न रीति–रिवाज और पहनावे हैं। लेकिन हॉर्नबिल महोत्सव समूचे नागा जनजातियों का एक ऐसा सामूहिक पर्व है, जिसमें सब एक जैसे होते हैं। नागालैंड की 60 फीसदी से ज्यादा आबादी विभिन्न कृषि कामों पर निर्भर हैं, इसलिए नागा जनजातियों की आमतौर पर जिंदगी कृषि के इर्दगिर्द ही केंद्रित रहती है। यही वजह है कि कृषि से संबंधित गतिविधियां इन जाति समूहों की सांस्कृतिक गतिविधियों का केंद्रबिंदु हैं। दुनिया की अन्य कृषि प्रजातियों की तरह नागालैंड के विभिन्न कृषक समाज भी अपनी फसलों के बोने, उनके तैयार होने और पकने पर खुशियों का इजहार कई तरह के पर्वों, त्योहारों को मनाकर करते हैं।

चूंकि नागालैंड के छोटे से भौगोलिक खंड में भी अनेक जाति समूह निवास करते हैं, इसलिए उनके अलग–अलग तिथि, त्योहार और रीति–रिवाज हैं। लेकिन सभी नागालैंडवासियों में सामूहिक नागा भावनाओं को एक सूत्र में पिरोने के लिए साल 2000 में नागालैंड की सरकार ने एक ऐसी सांस्कृतिक विरासत को समूचे नागालैंड की सांस्कृतिक विरासत के रूप में पेश करने की शुरुआत की, जिसे 'हॉर्नबिल महोत्सव' का नाम दिया गया। हर साल दिसंबर की 1 से 10 तारीख के बीच आयोजित होने वाला यह महोत्सव नागालैंड में रह रही विभिन्न नागा जातियों के बीच अंतर्जातीय संपर्क को प्रोत्साहित करने के लिए और नागालैंड की विरासत पर सामूहिक रूप से गर्व करने के हेतु शुरू किया गया।

इस महोत्सव के दौरान कोहिमा जिले के दक्षिण अंगामी क्षेत्र में स्थित किसामा हेरीटेज गांव में समूचे नागालैंड के अलग–अलग हिस्सों से सभी नागा जाति समूहों के लोग एकत्र होते हैं, यहां 10 दिनों तक तरह–तरह के सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाते हैं। इससे नागालैंड की समृद्ध संस्कृति को पुनर्जीवन तो मिला ही है, विभिन्न नागा प्रजातियों के बीच आपसी सांस्कृतिक संबंध भी बहुत मजबूत हुए हैं और अलग–अलग जनजातियों की सांस्कृतिक विरासत इस सामूहिक गतिविधि के जरिये और ज्यादा समृद्ध हुई है। चूंकि नागालैंड एक महत्वपूर्ण पर्यटन राज्य भी है, इसलिए अब धीरे–धीरे पिछले कई सालों से देश के विभिन्न हिस्सों के लोग भी हॉर्नबिल महोत्सव का नजदीक से आनंद लेने के लिए इस महोत्सव के दौरान यहां आना पसंद करते हैं। हॉर्नबिल महोत्सव में नागा संस्कृति को बहुत करीब से देखना और इसके सभी अंगों–प्रत्यंगों से भली–भांति परिचत होना गहरे तक रोमांचित करता है। इस महोत्सव में नागालैंड के तरह–तरह के स्वादिष्ट भोजन और व्यंजन, गीत, नृत्य, रीति–रिवाज, पहनावा आदि के भरपूर दर्शन होते हैं। 10 दिनों तक चलने वाले इस त्योहारों के त्योहार हॉर्नबिल में लोग रंग–बिरंगे कप? पहनते हैं। साथ ही अपनी उत्कृष्ट शिल्प का प्रदर्शन करते हैं। इस दौरान तरह–तरह के ग्रामीण खेल, खेले जाते हैं और नागालैंड के विभिन्न हिस्सों में बनने वाले एक से ब?कर एक व्यंजनों की यहां नुमाइश होती है। इसके साथ ही नागालैंड के इस विशेष महोत्सव में पारंपरिक कलाएं जिनमें पेंटिंग, लक?ी की नक्काशी और मूर्तियां आदि भी शामिल हैं, भी प्रदर्शित की जाती हैं। इस महोत्सव के दौरान पारंपरिक नागा मोरंग प्रदर्शनी और कला व शिल्प की बिक्री के लिए कई तरह के खाद्य स्टॉल, हर्बल दवा की दुकानें, फूलों की प्रदर्शनी और विभिन्न तरह के खेल, कौशल व सांस्कृतिक गतिविधियां सम्पन्न होती हैं। खेलों में विशेष रूप से पारंपरिक नागा कुश्ती और तीरंदाजी के जलवे देखने को मिलते हैं। जबकि अलग–अलग नागा जातियों के पुरुषों और महिलाओं द्वारा तरह–तरह की गीत गाये जाते हैं और नृत्य किये जाते हैं। इस दौरान नागालैंड का पारंपरिक फैशन शो भी सम्पन्न होता है और इसी 10 दिनी महोत्सव में मिस नागालैंड का चुनाव भी होता है। इस तरह यह पर्व नागालैंड की अपनी सौंदर्य प्रतियोगिता का मंच भी बन जाता है। हॉर्नबिल महोत्सव को इस रंगीन ठाठ–बाठ से मनाये जाने की शुरुआत के बाद नागालैंड में पर्यटन काफी ब?ा है। इसलिए राज्य इसे हॉर्नबिल फेस्टिवल के तौर पर टूरिस्ट ब्रांड के रूप में इस्तेमाल करता है। पर्यटन प्रमोटरों का मानना है कि नागालैंड में हॉर्नबिल फेस्टिवल सिर्फ आपस में विभिन्न नागा प्रजातियों को ही नहीं, बल्कि देश के अलग–अलग राज्यों के लोगों को भी यहां खींचकर लाता है। इस तरह इस सांस्कृतिक पर्व में भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का गर्वीला प्रदर्शन होता है।

–धीरज बसाक

पक्षियों की अद्भुत संवाद कला

भले ही आज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी ने कितनी ही तरक्की क्यों न कर ली हो, लेकिन उस दिन को भला कौन भुला सकता है, जब पक्षियों का इस्तेमाल संदेश भेजने के लिए किया जाता था। इसके अतिरिक्त, यदि पक्षियों की रंग–बिरंगी दुनिया को गौर से देखें, तो आपको जानकर आश्चर्य होगा कि पक्षी जगत के इस रंग–बिरंगे अनोखे संसार में तरह–तरह की चि?ियां होती हैं, जो हमें तो देखने में एक–सी लगती हैं, पर वे आपस में बहुत भिन्न होती हैं।

प्राचीनकाल में पक्षी संदेश पहुंचाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम थे। वे अपनी विशिष्ट आवाज, अभिनय और शरीर पर पहने गए अभूषणों से संदेश प्रसारित करते थे। तोते जैसे पक्षी तो शब्दों को भी बोल सकते थे, जिससे वैज्ञानिक भी चकित हो गए। अध्ययन से यह स्पष्ट हुआ कि पक्षियों में भी सीमित मात्रा में सीखने की अद्भुत क्षमता होती है, और वे दोस्त–दुश्मन को पहचानने में सक्षम होते हैं। इसी कारण से वे अपने राजाओं को शत्रुओं से सावधान करने का कार्य करते थे।

पक्षियों का आचरण प्रायः भिन्न–भिन्न होता है। कान खुजलाने, चहचहाने तथा खांसने जैसी तंत्रिका क्रियाएं इनमें मनुष्य जैसी ही होती है। चि?िया जन्म से ही अपने माता–पिता को पहचान लेती है। जहां भी जायें वे उनके पीछे–पीछे ही घूमती रहती हैं। एक रोचक प्रयोग के अंतर्गत ऐसा पाया गया है कि जिस वैज्ञानिक ने हंसिनी के अंडों को अंडे सेने की मशीन में रखा, अंडों के फूटने पर जब बच्चे निकले, तो वे उस वैज्ञानिक को अपना समझकर उसके पीछे घूमते रहते थे। इसका अर्थ यह है कि उनमें सोचने, समझने की शक्ति है। अपने रहने के लिए अधिकतर पक्षी अपने घोसले इतने मजबूत बनाते हैं कि ये कई साल तक हर मौसम में ये टिके रहते हैं।

जहां तक इनके उ?ने का प्रश्न है, तो यह तो आपको मालूम ही है कि ये पंखों की मदद से उ?ते हैं। सभी पक्षियों के पंख एक जैसे होते हैं, लेकिन इनकी उ?ने की क्षमता अलग–अलग होती है। कुछ पक्षी बिना पंख फ?फ?ाये अधिक ऊंचाई पर लम्बे समय तक वातावरण के ऊष्मीय वायु प्रवाह की मदद से उ?ते रहते हैं। लेकिन कुछ केवल छोटी उ?ान भर सकते हैं। इनके कुल कितने पंख होते हैं? आज तक इस विषय में अनिश्चितता बनी हुई है। वैसे वैज्ञानिक दृष्टि में गाने वाले सभी पक्षियों में औसतन 1,100 से 4,600 पंख पाये जाते हैं। क्या आप विश्वास करेंगे कि हमारे आसपास मंडराती छोटी–छोटी चि?ियों के शरीर पर भी 3,550 से अधिक पंख होते हैं? कई चि?ियाएं उपयुक्त स्थानों की तलाश में मौसम–दर–मौसम हमेशा उ?ती रहती हैं। माइग्रेशन यानी स्थानांतरण का वास्तविक कारण आज तक वैज्ञानिकों को पता नहीं चल पाया है, किंतु कहा जाता है कि अधिक ठंड या गर्मी होने से उन्हें भोजन के अभाव में स्थान बदलना प?ता है। आज जितने भी हवाई जहाज उ? रहे हैं, सभी पक्षियों के पंखों के आधार पर ही बनाये गए हैं। विमानों और पक्षियों के पंखों के नीचे हवा का दाब पंखों के ऊपर की अपेक्षा अधिक होने से ये दीर्घकाल तक हवा में रह सकते हैं। दोनों अपनी पूंछ की मदद से दिशा बदल सकते हैं।

पानी में रहने वाले पक्षी तैरते हैं, जबकि कुछ केवल पैरों पर चलते हैं। उनकी चोंच न केवल भोजन के लिए, बल्कि रक्षा के लिए भी उपयोगी होती है, जो बंदरों और सांपों को भी घायल कर सकती है। बड़े पक्षी अपने शिकार को पैरों से पकड़ते हैं। अधिकांश पक्षियों में वाकेन्द्रियां होती हैं, जो गाने में मदद करती हैं, खासकर नर पक्षी मादा को आकर्षित करने के लिए मीठी आवाज में गाते हैं। नर पक्षी इस प्रक्रिया में प्रतिस्पर्धा करते हैं, लेकिन मादा का निर्णय अंतिम होता है। इसके लिए नरों के बीच न कोई संघर्ष होता है और न ही किसी प्रकार का वाद–विवाद। कुछ नर मादाओं को आकर्षित करने के लिए मोहक नृत्य भी करते हैं, तो कुछ अपने पंखों को फैलाते हैं और कुछ नर तो सुंदर से सुंदर घोसले बनाकर मादाओं को रिझाने की कोशिश करते हैं। बाज और उल्लू जैसे पक्षी अपना आजीवन एक जीवनसाथी चुनते हैं। वहीं कुछ पक्षी हर साल मादाओं को बदलते रहते हैं। इसके अतिरिक्त, संकट के समय ये ऐसी विशेष आवाज निकलते है, जिसे सभी पक्षी सुनते हैं और इसके बाद ये अपनी अपनी रक्षा में जुट जाते हैं।

पक्षी हमारे लिए कितने उपयोगी हैं इसका अंदाजा हजारों वर्ष पहले रोम के कोयला खदानों में मीथेन गैस के रिसाव से होने वाली दुर्घटना को हंस द्वारा बचाये जाने से लगाया जा सकता है। उस समय अगर कोयला खदान के आसपास मौजूद हंस ने मीथेन गैस को तीव्रता से सूंघने पर जोर–जोर से चिल्लाकर आगाह न किया होता, तो इस दुर्घटना में हजारों की जाने चली जातीं। इस घटना से आश्चर्यचकित होकर वैज्ञानिक आज तक इसका कारण जानने में लगे हुए हैं कि ऐसा क्या है, इन चि?ियों में जो ये हानिकारक रसायनों को पहचान लेते हैं? आज भी अनुसंधानकर्ताओं का दावा है कि किसी भी स्थान पर गैस के रिसने से होने वाली दुर्घटना के आसपास मंडराने वाले पक्षी इंसान को चिल्लाकर चेतावनी अवश्य देते हैं। इसलिए आज आवश्यकता है, इन्हें पहचानने की, इनकी भाषा समझने की व इनसे पूर्णतः दोस्ती करने की ताकि हम इनका पूरा–पूरा उपयोग कर सकें।

–के.पी.सिंह

300 करोड़ की फिल्म, 18 एक्टर करेंगे काम, आप भी कहेंगे फिल्म है या बिग बॉस का नया सीजन

नई दिल्ली– अक्षय कुमार, रितेश देशमुख, अभिषेक बच्चन, फरदीन खान, जैकलीन फर्नांडीज, सोनम बाजवा, नरगिस फाखरी, संजय दत्त, जैकी श्रॉफ, नाना पाटेकर, चंकी पांडे, जॉनी लीवर, श्रेयस तलपड़े, डिनो मोरिया, चित्रांगदा सिंह, रंजीत, सौंदर्या शर्मा, निकितिन धीर. यहां हमने कोई लिस्ट जारी नहीं की है बल्कि ये एक फिल्म की स्टार कास्ट है. इस फिल्म का नाम है हाउसफुल–5 जी हां साजिद नाडियाडवाला की इस हिट फैंचाइजी की पांचवी किस्त आ रही है लेकिन इस फिल्म की स्टारकास्ट ने हमारे होश उड़ा दिए हैं. जरा सोचिए 18 स्टार्स अगर किसी फिल्म में होंगे तो कौन कितनी देर नजर आएगा. ऐसा लग रहा है ये कोई फिल्म नहीं बिग बॉस का अगली सीजन ही अनाउंस

हो गया है. फिल्म प्रोड्यूसर साजिद नाडियाडवाला ने अनाउंस कर दिया है कि फिल्म अपने फाइनल शेड्यूल का काम शुरू कर चुकी है. इसी प्रोजेक्ट को खत्म होते देख साजिद ने एक स्टार स्टडेड तस्वीर शेयर की जिसमें फिल्म की पूरी कास्ट नजर आ रही है. कास्ट इतनी बड़ी है कि मुझे समझ नहीं आ रहा कि इस फिल्म का पोस्ट कैसे बनेगा और इसमें किस किस को दिखाया जाएगा या फिर 18 पोस्टर रिलीज किए जाएंगे. रिलीज डेट की बात करें तो ये फिल्म 6 जून 2025 को रिलीज होने वाली है. इस फिल्म को तरुण मनसुखानी डायरेक्ट कर रहे हैं.

मलाइका अरोड़ा की जिंदगी में आया नया प्यार!

मलाइका अरोड़ा को हाल ही में मुंबई में एक शख्स के साथ देखा गया. अब ये शख्स कौन है ? इसका मलाइका से क्या रिश्ता है? मलाइका इसके साथ क्यों दिखी? इस बारे में कोई जानकारी नहीं है लेकिन फिर भी सोशल मीडिया पर मलाइका की पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा शुरू हो गई है. मलाइका के इस मिस्ट्री मैन को उनकी जिंदगी में आया नया प्यार भी कहा जा रहा है. कुछ लोगों का कहना है कि अब साफ है. मलाइका अर्जुन से हुए अपने ब्रेकअप से उबर चुकी हैं. इंटरनेट पर एक वीडियो सामने आया इसमें मलाइका अपनी बहन अमृता अरोड़ा के साथ घूम रही थीं. लेकिन सबका ध्यान मिस्ट्री मैन पर ज्यादा रहा जो मलाइका का हाथ थामे हुए दिखाई दे रहा था. इसके तुरंत बाद वीडियो वायरल हो गया. इससे उनके फैन्स और नेटिजन्स के बीच एक्साइटमेंट बढ़ गई और सवाल उठने लगा कि वह शख्स आखि कौन है. कुछ लोगों ने अनुमान लगाया कि वह व्यक्ति उनका करीबी दोस्त या कोई प्रोफेशनल कॉन्टैक्ट हो सकता है जबकि कुछ ने अनुमान लगाया कि एक्ट्रेस पहले ही अपने ब्रेकअप से आगे बढ़ चुकी हैं. हाल ही में मलाइका ने अपने रिलेशनशिप स्टेटस के बारे में बताते हुए एक क्रिप्टिक पोस्ट शेयर की थी. मलाइका ने लिखा था, 卐अभी मेरा रिलेशनशिप स्टेटस. इसमें तीन ऑप्शन थे ङ्क रिलेशनशिप में, सिंगल और हेहेहे.卐 उन्होंने आखिरी ऑप्शन पर जोर दिया और बस उसमें कुछ नहीं जोड़ा. दूसरी तरफ अर्जुन कपूर ने सिंघम अगेन के ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान ब्रेकअप पर खुलकर कहा था कि अभी मैं सिंगल हूं. बता दें कि मलाइका और अर्जुन ने अरबाज खान से तलाक के बाद 2018 में डेटिंग शुरू की थी. लगभग 6 साल तक रिलेशनशिप में रहने के बाद दोनों अलग हो गए. अलग होने के बावजूद दोनों के बीच अच्छे रिश्ते बने हुए हैं. क्योंकि अर्जुन मलाइका के पिता के निधन के बाद उनके लिए एक सहारा बनकर खड़े रहे.

मिस्ट्री मैन का हाथ थामे दिखीं तो बनने लगीं बातें

यह पहली बार नहीं है जब बॉलीवुड एक्टर अपने ब्रेकअप को लेकर सुर्खियों में हैं. ऐश्वर्या राय बच्चन और अभिषेक बच्चन के तलाक की चल रही अफवाहें इंटरनेट पर ट्रेंडिंग टॉपिक रही हैं. हालांकि दोनों ने ऐसी अटकलों पर कोई ध्यान नहीं दिया और अपने निजी और पेशेवर जीवन में आगे बढ़ गए.

मां बनने के बाद पहली बार किसी इवेंट में नजर आई यामी गौतम

बॉलीवुड एक्ट्रेस यामी गौतम और उनके पति आदित्य धर ने अपनी फिल्म आर्टिकल 370 के ट्रेलर लॉन्च के दौरान दुनिया के सामने अपनी प्रेग्नेंसी अनाउंस कर अपने फैन्स को सरप्राइज दिया था. कुछ महीने बाद उन्होंने 10 मई, 2024 को अपने पहले बच्चे का स्वागत किया. अब एक्ट्रेस मां बनने के बाद पहली बार पब्लिक स्पेस में नजर आईं. एक इवेंट के दौरान यामी गौतम ने वहां पहुंचते ही सबका ध्यान अपनी तरफ खींचा. कुछ महीने पहले अपने पहले बच्चे को जन्म देने वाली एक्ट्रेस गोल्डन सलवार–सूट सेट में बेहद खूबसूरत लग रही थीं और उनके ग्लो कुछ खास ही था. मीडिया के सामने अपनी मिलियन–डॉलर की स्माइल दिखाते हुए हृस्न्न 2 एक्ट्रेस ने अपने लुक और खूबसूरत स्माइल से सभी को इंप्रेस कर दिया. जैसे ही उनकी पहली पब्लिक अपीयरेंस का वीडियो सामने आया उनके फैन्स ने कमेंट्स की लाइन लगा दी. एक यूजर ने क्लिप पर कमेंट किया, 卐मेरा यकीन करो, वह इस समय की सबसे खूबसूरत एक्ट्रेस हैं.卐 एक ने कमेंट किया, 卐वह अभी भी प्यारी और खूबसूरत हैं.卐 एक ने लिखा, 卐वह बहुत ही सुंदर है और हमेशा बहुत शालीनता से ड्रेसअप करती हैं.卐 जबकि कई लोगों ने कहा कि वह ट्रेडिशनल लुक में बहुत सुंदर लग रही थी. यामी और आदित्य धर ने अपने बच्चे का स्वागत करने के महीनों बाद अपने बेटे वेदविद के नाम की अनाउंसमेंट करने के लिए इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर की. पोस्ट में उन्होंने खुलासा किया कि उनके बच्चे का जन्म अक्षय तृतीया के शुभ अवसर पर हुआ. उन्होंने बच्चे के लिए सभी से प्यार और आशीर्वाद भी मांगा.

एक्ट्रेस को देख फैन्स बोले अब भी वैसी की वैसी

बजरंगी भाईजान की मुन्नी ने लंबी जुदाई गाने पर किया दिल छू लेने वाला डांस

सलमान खान की फिल्म बजरंगी भाईजान सुपरहिट साबित हुई थी. इस फिल्म में उनके साथ करीना कपूर लीड रोल में नजर आईं थीं. फिल्म में हर्षाली मल्होत्रा ने छोटी सी मुन्नी का किरदार निभाया था. हर्षाली ने मुन्नी का किरदार निभाकर सबका दिल जीत लिया था. उन्होंने अपनी मासूमियत से सभी को इंप्रेस कर दिया था. अब ये छोटी मुन्नी बड़ी हो गई है. हर्षाली सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और आए दिन कुछ न कुछ शेयर करती रहती हैं. इस बार हर्षाली ने अपने डांस करते हुए वीडियो शेयर किया है. इसमें उनके एक्सप्रेशन देखने लायक हैं.

वायरल वीडियो में हर्षाली किसी पहाड़ पर बैठी नजर आ रही हैं और उन्होंने फुल राजस्थानी मेकअप किया हुआ है. लहंगे से लेकर मांग टीके तक हर एक चीज उन पर बहुत फब रही है. इसके साथ ही उनके एक्सप्रेशन ऐसे हैं जो आपको इंप्रेस कर देंगे. उन्हें इस लुक में देखकर फैंस बहुत खुश हो रहे हैं.

हर्षाली के वीडियो पर फैंस ढेर सारे कमेंट कर रहे हैं.

हर्षाली के वीडियो पर लोग ढेर सारे कमेंट कर रहे हैं. एक ने लिखा– बहुत अच्छा किया बेटा दिल खुश हो गया और दिल से आशीर्वाद है बहुत अच्छा काम करो और बहुत नाम करो. वहीं दूसरे ने लिखा– वो फ्यूचर की टॉप एक्ट्रेस होंगी. एक ने लिखा– शानदार परफॉर्मेंस, शानदार एक्सप्रेशन. एक ने लिखा– सौ दिल अगर हमारे होते खुदा कसम सब के सब तुम्हारे होते. बता दें लंबी जुदाई गाना रेशमा जी ने गाया था और इसे मीनाक्षी शेषाद्रा और जैकी श्रॉफ पर फिल्माया गया था. हीरो फिल्म का ये गाना सुपरहिट साबित हुआ था. इस गाने को लक्ष्मीकांत–प्यारेलाल ने कंपोज किया था और लिरिक्स आनंद बक्शी ने लिखे थे. 1983 में आई इस फिल्म से जैकी श्रॉफ ने बॉलीवुड में कदम रखा था और वो अपनी पहली फिल्म से ही छा गए थे.

लोग बोले मीनाक्षी शेषाद्री को दे रही है टक्कर

3 सेकंड के सीन की वजह से मुसीबत में लेडी सुपरस्टार

धनुष ने नयनतारा और उनके पति के खिलाफ दर्ज कराया मुकदमा

एक्टर धनुष के राजा की ने मद्रास हाईकोर्ट में एक्ट्रेस नयनतारा के खिलाफ एक केस दायर किया है. धनुष ने नयनतारा की कंपनी राउडी पिक्चर्स लिमिटेड और उनके पति विग्नेश शिवन के खिलाफ उनकी तमिल फिल्म के कुछ विजुअल इस्तेमाल करने के लिए केस दर्ज किया है. ये विजुअल नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही डॉक्यु–ड्रामा नयनतारा- बियॉन्ड द फेयरीटेल में इस्तेमाल किए गए थे.

फिलहाल ये टेंशन भले ही 3 सेकेंड की है लेकिन ये तनाव आज का नहीं है. करीब दस साल पहले दोनों के बीच टेंशन शुरू हो गई थी. वो भी एक हिट फिल्म को लेकर. और कुछ फिल्मों में साथ काम करने के बाद अच्छे दोस्त बन चुके थे. उन वक्त धनुष नानम राउडी धान के साथ प्रोडक्शन की दुनिया में शुरुआत कर रहे थे. ये फिल्म साल 2015 में बनना शुरू हुई थी. तब ये खबर भी आई कि धनुष फिल्म की ऑनगोइंग प्रोसेस से खुश नहीं है. इसकी एक वजह थी फिल्म का बजट तेजी से बढ़ना लेकिन नयनतारा और विग्नेश शिवन इस बात को लेकर कन्विंस थे कि फिल्म अच्छी चलेगी. जिसके बाद फिल्म बनी और रिलीज भी हुई. फिल्म तो हिट मूवी मानी जाती है पर रिपोर्ट्स बताती हैं कि धनुष को फिल्म से कोई खास फायदा नहीं हुआ था. बल्कि काफी नुकसान झेलने पड़े थे इसके बाद उन्होंने कभी नयनतारा के साथ काम नहीं किया.

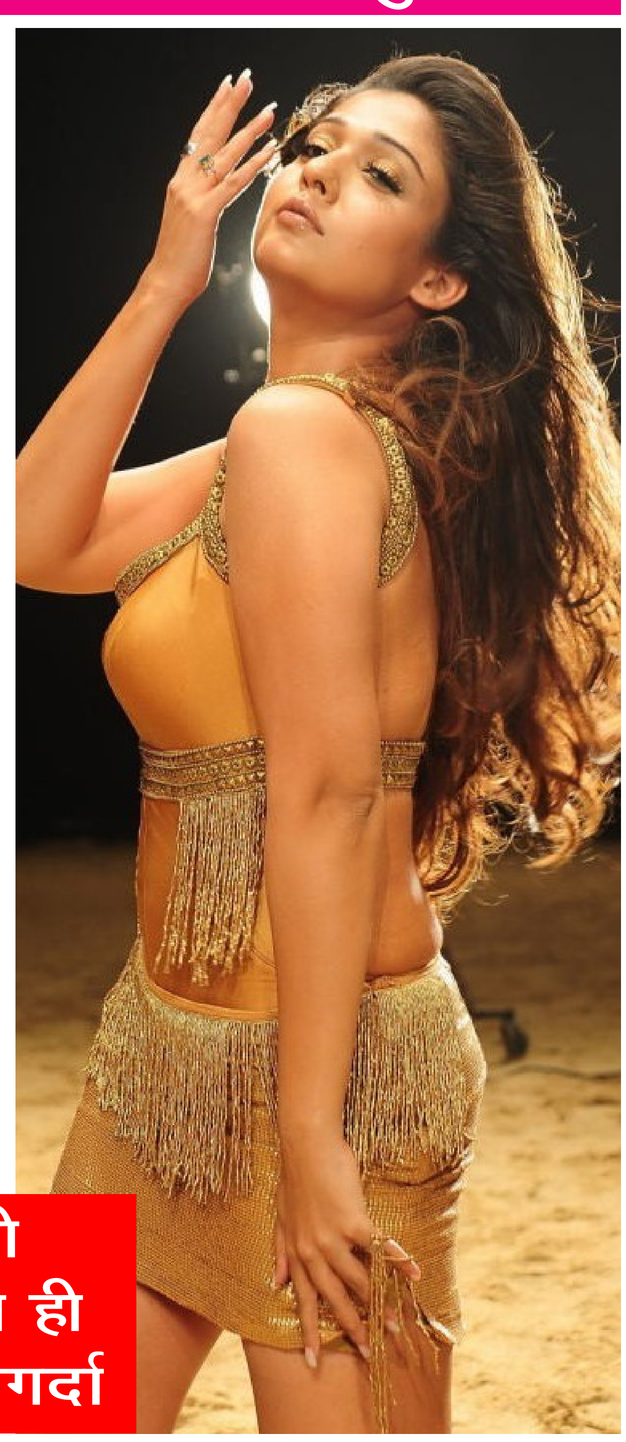

33 साल पुरानी इस फिल्म की शूटिंग के बाद सीधे फंक्शन में चली गई थीं माधुरी दीक्षित

माधुरी दीक्षित 90 के दशक की बेहतरीन एक्ट्रेस हैं. उन्होंने कई बड़े स्टार्स के साथ काम तो किया ही है साथ ही उनकी फिल्में सुपरहिट भी रही हैं. माधुरी की खास बात ये है कि वो अभी भी इंडस्ट्री में एक्टिव हैं और फैंस का दिल जीत रही हैं. माधुरी दीक्षित की फिल्म साजन सुपरहिट साबित हुई थी. इस फिल्म की शूटिंग के दौरान माधुरी को एक अवॉर्ड फंक्शन में जाना था तो वो उन्हीं कपड़ों में पहुंच गई थीं. जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है. जिसमें जितेंद्र बेस्ट एक्ट्रेस के अवॉर्ड की अनाउंसमेंट करते हैं. जिसके बाद माधुरी स्टेज पर जाती हैं. वो उस समय साजन फिल्म के लुक में नजर आ रही हैं. उन्होंने पिंक और ग्रीन कलर का सूट पहना हुआ है. जिसमें वो बेहद खूबसूरत लग रही हैं. माधुरी दीक्षित के इस वीडियो पर लोग ढेर सारे कमेंट कर रहे हैं.

इस एक्ट्रेस ने चार मिनट के गाने के लिए दो करोड़

फिल्मों में स्पेशल सॉन्ग का अपना एक महत्व होता है. डायरेक्टर की कोशिश रहती है कि फिल्म में एक ऐसी सिचुएशन पैदा की जाए जिसमें वह गाने की गुंजाइश पैदा कर सके. इस तरह के गाने दर्शकों के बीच खूब पसंद किए जाते हैं, और इसमें नजर आने वाले कलाकारों को मोटी रकम भी मिलती है. अब बात करें पुष्पा 2 की तो इसमें भी एक स्पेशल सॉन्ग नजर आएगा. इस सॉन्ग को लेकर कई मजेदार जानकारी सामने आ रही है. ये सॉन्ग किसिक है जिसमें साउथ की सनसनी श्रीलीला नजर आ रही हैं. बताया जा रहा है कि इस गाने के लिए उन्हें दो करोड़ रुपये की फीस मिल रही है. श्रीलीला ने पुष्पा 2ः द रूल के मच अवेटेड गाने किसिक में अपने जबरदस्त डांस से स्क्रीन पर धूम मचा दी है. साल के सबसे मच अवेटेड ट्रैक में से एक यह गाना आखिरकार रिलीज हो गया है. इस मशहूर गाने में कई बेहतरीन एक्ट्रेस परफॉर्म करना चाहती थीं, लेकिन मेकर्स ने एक नई और यंग टैलेंट श्रीलीला को चुना. सूत्रों के मुताबिक, %उन्होंने सेट पर गाने के स्टेप्स सीखे और उसी दिन शूट भी कर लिया. उनकी लगन ने वाकई सभी को दीवाना कर दिया है!% श्रीलीला का स्टारडम तेजी से उभरा है. फिल्म गुंटूर करम के गाने कुर्ची मदाथापेटी में महेश बाबू के साथ नजर आकर उन्होंने दर्शकों का ध्यान खींचा. उनकी एनर्जी और स्क्रीन परफॉर्मेंस ने उन्हें सबकी फेवरेट बना दिया. पुष्पा 2ः द रूल से किसिक के रिलीज होते ही, श्रीलीला ने यह साबित किया कि उनकी मेहनत, समर्पण और टैलेंट उन्हें इंडस्ट्री में एक शानदार भविष्य की ओर ले जा रहे हैं. पुष्पा 2 पांच दिसंबर को रिलीज होने जा रही है.

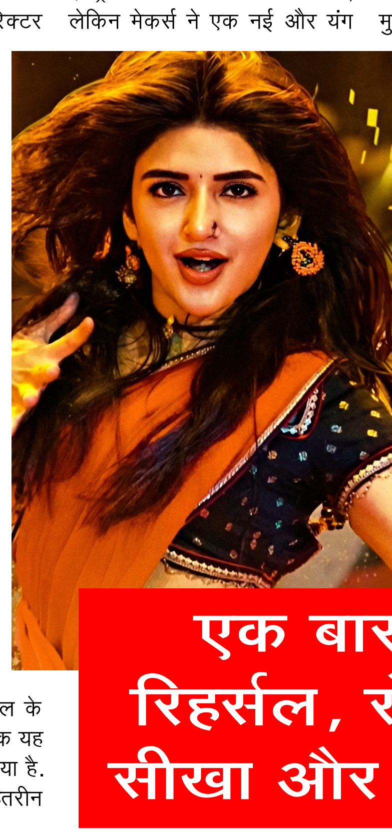

एक बार भी नहीं की रिहर्सल, सेट पर आते ही सीखा और उड़ा डाला गर्दा